पतरस की पह्ल्ली चिट्ठी

1

1पतरस की ओड़ तै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै:
पणमेसर के उन छांटे होए लोग्गां के नाम जो पुन्तुस,
गलातिया, कप्पदुकिया, एशिया अर बिथुनिया के क्षेत्रां म्ह
सारै किते फैले होए सैं। 2थम, जिन ताहीं परम पिता पणमेसर
के पह्ल्ड़े ज्ञान कै मुताबिक छांटया गया सै, जो आपणी
आत्मा के काम कै जरिये उस ताहीं समर्पित होवै, जिन ताहीं
उसके आज्ञाकारी होण कै खात्तर अर जिन पै यीशु मसीह
के लहू के छिडकाव के पवित्र करे जाण कै खात्तर छांटया
गया सै।

थारै पै पणमेसर का अनुग्रह अर शान्ति भोत घणे तै होंदे
रहवैं।

जिन्दी आस

3म्हारे प्रभु यीशु मसीह का परम पिता पणमेसर धन्य हो।
मरे होया म्ह तै यीशु मसीह के पुनरुत्थान कै जरिये उसकी
अपार करुणा म्ह एक जिन्दी आस पा लेण कै खात्तर उसनै
म्हारै ताहीं नया जन्म दिया सै। 4ताके थम थारै खात्तर सुर्ग
म्ह सुरक्षित रूप तै धरे होए अजर-अमर बेकसूर नास ना होण
आळा वारिसपणे नै पा ल्यो।

5जो बिश्वास तै सुरक्षित सै, उन ताहीं ओ उद्धार जो बख्त
के आखरले कुणे पै प्रगट होण नै सै, मिलै। 6इस पै थम भोत
खुश सो। हालाके इब थारै ताहीं थोड़े बख्त कै खात्तर कई
तरियां की परीक्षायां म्ह पड़कै दुखी होणा भोत जरूरी सै।
7ताके थारा परखया होड़ बिश्वास जो आग म्ह परखे होए
सोन्ने तै भी घणा कीमती सै, उस ताहीं जिब यीशु मसीह
प्रगट होवैगा फेर पणमेसर तै बड़ाई, महिमा अर आद्दर मिलै।

8हालाके थमनै उस ताहीं देख्या नीं सै, फेर भी थम उस
ताहीं प्रेम करो सो। हालाके थम इब्बे उस ताहीं देख कोनी
पा रहे सो, किन्तु फेर भी उसम्ह बिश्वास राक्खो सो अर एक
इसे आनन्द तै भरे होए सो जो कह्या नीं जा सक्दा अर महिमा
आळा सै। 9अर थम अपणे बिश्वास के नतीज्जे कै रूप म्ह
आपणी आत्मा का उद्धार करण लागरे सो।

10इस उद्धार कै बाबत म्ह उन नबियाँ नै, बड्डी मेहनत कै
गेल्या खोजबीन करी सै अर बड्डी चौक्कसी कै गेल्या बेरा
लाया सै, जिन्नै थारै पै प्रगट होण आळे अनुग्रह कै सम्बन्ध
म्ह भविष्यबाणी कर दी थी। 11उन नबियाँ नै मसीह की आत्मा
तै न्यू जाणया जो मसीह पै होण आळे दुखाँ ताहीं बताण
लागरी थी, अर वा महिमा जो इन दुखाँ कै बाद प्रगट होवैगी।
या आत्मा उन ताहीं बताण लागरी थी। ये बात इस दुनिया पै
कद होवैंगी अर फेर इस दुनिया का के होगा।

12उन ताहीं न्यू दिखा दिया गया था के उन बात्तां का
उपदेश करदे होए वे खुद आपणी सेवा कोनी करण लागरे
थे बल्के थारी करण लागरे थे। वे बात सुर्ग तै भेज्जे गये
पवित्र आत्मा कै जरिये थारै ताहीं सुसमाचार का उपदेश देण
आळयां कै जरिये तै बता दी गयी थीं। अर उन बात्तां ताहीं
जानण कै खात्तर तो सुर्दुत लग तरसै सैं।

पवित्र जीवन कै खात्तर बुलावा

13इस करकै मानसिक रूप तै चौकन्ने रहो अर अपणे पै काब्बू
राक्खो। उस बरदान पै पूरी आस राक्खो जो यीशु मसीह कै
प्रगट होण पै थारै ताहीं दिया जाण नै सै। 14आज्ञा मानण
आळे बाळकां कै तरियां उस बख्त की भूंडी इच्छायां कै
मुताबिक अपणे ताहीं मतना ढाळो जो थारै म्ह पह्ल्ले थी,
जिब थम अज्ञान्नी थे। 15बल्के जिस तरियां थारै ताहीं बुलाण
आळा पणमेसर पवित्र सै, उस्से तरियां ए थम भी अपणे हरेक
काम म्ह पवित्र बणो। 16शास्त्र भी इस तरियां ए कहवै सै:
"पवित्र बणो, क्यूँके मैं पवित्र सूं।"

17अर जै थम, हरेक के कर्मां कै मुताबिक बिना दुबात के
न्याय करण आळे पणमेसर ताहीं 'हे पिता' कह कै पुकारो सो
तो इस परदेसी धरती पै अपणे बसणै आळे बख्त म्ह आद्दर
तै भरे भय कै गेल्या जीवन जिओ। 18थमनै न्यू बेरा सै के
चाँदी या सोन्ने जीसी चिज्जां तै थारै ताहीं उस बेकार जिन्दगी
तै छुटकारा कोनी मिल सक्दा, जो थारै ताहीं थारे बुजुर्गां तै
मिल्या सै। 19बल्के ओ तो थारै ताहीं बेकसूर अर बिना कलंक
आळे मेमने कै समान मसीह के कीमती लहू तै ए मिल सकै
सै। 20इस जगत की सृष्टि तै पहल्या ए उस ताहीं छांट लिया

गया था किन्तु थम लोग्गां कै खात्तर उस ताहीं इन आखरले दिनां म्ह प्रगट करया गया। 21उस मसीह कै कारण ए थम उस पणमेसर म्ह बिश्वास करदे रहे जिसनै उस ताहीं मरे होया म्ह तै दुबारै जिन्दा कर दिया अर उस ताहीं महिमा दी। इस ढाळ थारी आस अर थारा बिश्वास पणमेसर म्ह स्थिर हो।

22इब देक्खो जिब थमनै सत्य का पालन करदे होए, साच्चे भाईचारे के प्रेम ताहीं दिखाण कै खात्तर अपणे आत्मा ताहीं पवित्र कर लिया सै तो पवित्र मन तै तगाज्जे कै गेल्या आप्पस म्ह प्रेम करण नै आपणा मकसद बणा ल्यो। 23थमनै नास होण आळा बीज तै दुबारा जीवन कोनी मिल्या सै बल्के यो उस बीज का नतीज्जा सै जो अमर सै। थारा दुबारा जन्म पणमेसर के उस सुथरे संदेस तै होया सै जो जिन्दा अर अटल सै। 24क्यूँके शास्त्र कहवै सै:

> "सारे प्राणी घास की तरियां सैं, अर उनकी सज-धज
> जंगळी फूल की तरियां सै। घास मर जावै सै अर फूल
> पड़ जावै सैं।
> 25 किन्तु प्रभु का सुसमाचार सदा-सारीहाण टिक्या रहवै
> सै।" *यशायाह 40:6-8*

अर यो ओए सुसमाचार सै जिसका थारै ताहीं उपदेश दिया गया सै।

जिन्दा पत्थर अर पवित्र प्रजा

2 1इस करकै सारी बुराईयां, छल-कपट, पाखण्ड तथा बैर-बिरोधां अर आप्पस म्ह दोष लगाण तै बचे रहो। 2नये पैदा होए बाळकां की ढाळ शुद्ध आध्यात्मिक दूध कै खात्तर लालसा करो ताके उसतै थारी बढ़ोत्तरी अर उद्धार हो। 3इब देक्खो, थमनै तो प्रभु के अनुग्रह का सुवाद ले ए लिया सै।

4यीशु मसीह कै लवै आओ। ओ जिन्दा पत्थर सै। उस ताहीं संसारी लोग्गां नै नकार दिया था किन्तु जो पणमेसर कै खात्तर कीमती सै अर जो उसकै जरिये छांटया गया सै। 5थम भी जिन्दे पत्थरां की तरियां एक आध्यात्मिक मन्दर कै रूप म्ह बणाए जाण लागरे सो ताके एक इसे पवित्र याजक मण्डल कै रूप म्ह सेवा कर सको जिसका फर्ज इसे आध्यात्मिक बलिदान चढाणा सै जो यीशु मसीह कै जरिये पणमेसर अपणान्दा हों। 6शास्त्र म्ह लिख्या सै:

> "देक्खो, मैं सिय्योन म्ह एक कुणे का पत्थर धरण
> लागरया सूं, जो कीमती सै अर छांटया होया सै इस
> पै कोए भी बिश्वास करैगा, उस ताहीं कद्दे भी कोनी
> सरमाणा पड़ैगा।" *यशायाह 28:16*

7थम बिश्वासियाँ कै खात्तर कीमती सै किन्तु जो बिश्वास कोनी करै सैं उनकै खात्तर:

> "ओए पत्थर जिस ताहीं शिल्पियाँ नै नकारया था,
> सारया तै जरूरी कुणे का पत्थर बण ग्या।"
> *भजन संहिता 118:22*

8तथा ओ बण गया:

> "एक इसा पत्थर जिसतै लोग्गां ताहीं ठेस लाग्गै अर
> इसी एक चट्टान जिस तै लोग्गां ताहीं ठोकर लाग्गै।"
> *यशायाह 8:14*

लोग ठोकर खावै सैं क्यूँके वे पणमेसर के बचन का पालन कोनी करदे अर बस योए उनकै खात्तर ठहराया गया सै।

9किन्तु थम तो छाँटे होए लोग सो याजकां का एक राज्य, एक पवित्र प्रजा एक इसा माणस का टोळ जो पणमेसर का आपणा सै, ताके थम पणमेसर के अनोक्खे काम्मां की घोषणा कर सको। ओ पणमेसर जिसनै थारै ताहीं अँधेरे तै अनोक्खे चाँदणे म्ह बुलाया।

> 10 एक बख्त था जिब थम प्रजा कोनी थे किन्तु इब थम
> पणमेसर की प्रजा सो। एक बख्त था जिब थम दया
> के पात्र कोनी थे किन्तु इब थारै पै पणमेसर नै दया
> दिखायी सै।

पणमेसर कै खात्तर जीओ

11हे प्यारे ढब्बीयों, मैं थारै तै, जो इस संसार म्ह अणजाणां कै रूप म्ह सो, निवेदन करूँ सूं के उन देही आळी इच्छायां तै दूर रहो जो थारी आत्मा तै जूझदी रहवै सैं। 12विधर्मीयाँ कै

बिच्चाळै आपणा बिवार इतना उत्तम बणाए राक्खो के चाहे वे अपराधियाँ कै रूप म्ह थारी बुराई करैं किन्तु थारे उत्तम काम्मां कै नतीज्जे कै रूप म्ह पणमेसर के आण के दिन वे पणमेसर की महिमा प्रदान करैं।

अधिकारी की आज्ञा मान्नो

13प्रभु कै खात्तर हरेक माणस अधिकारी कै अधीन रहो। 14राजा के अधीन रहो। ओ सारया तै ऊँच्चा अधिकारी सै। शास्कां कै अधीन रहो। उन ताहीं उसनै कुकर्मियां ताहीं दण्ड देण अर उत्तम कर्म करण आळयां की बड़ाई कै खात्तर भेज्या सै। 15क्यूँके पणमेसर की याए इच्छा सै के थम अपणे उत्तम काम्मां तै बेअक्ले लोग्गां की अज्ञान तै भरी बात्तां नै चुप करा द्यो। 16अजाद माणस की तरियां जिओ किन्तु उस अजादी नै बुराई कै खात्तर आड़ मतना बनण द्यो। पणमेसर के सेवकां कै तरियां जीओ। 17सारया का आद्दर करो। अपणे धर्म भाइयां तै प्रेम करो। पणमेसर का आद्दर कै गेल्या भय मान्नो। शासक का आद्दर करो।

मसीह के दु:ख का दृष्टांत

18हे सेवको, जिसा होणा चहिये आद्दर कै गेल्या अपणे मालिकां कै अधीन रहो। ना सिर्फ उनके, जो आच्छे सैं अर दुसरयां कै खात्तर फ़िक्र करै सैं बल्के उनकै भी जो करड़े सैं। 19क्यूँके जै कोए पणमेसर कै बाबत चौकन्ना रहन्दे होए दु:ख सहवै सै अर अन्याय झेल्लै सै तो ओ बड़ाई जोग्गा सै। 20किन्तु जै भुण्डे काम्मां कै कारण थारै ताहीं छेत्या जावै सै अर थम उस ताहीं सहो सो तो इसम्ह बड़ाई की कौण-सी बात सै। किन्तु जै थारै ताहीं आच्छे काम्मां कै खात्तर सताया जावै सै तो पणमेसर कै श्यामी ओ बड़ाई कै जोग्गा सै। 21पणमेसर नै थारै ताहीं इस करकै बुलाया सै क्यूँके मसीह नै भी म्हारै खात्तर दु:ख उठाये सैं अर इसा करकै म्हारै खात्तर एक उदाहरण छोड्या सै, ताके हम भी उस्से कै चरण चिन्हां पै चाल सकां।

22 "उसनै कोए पाप कोनी करया अर ना ए उसके मुँह म्ह
कोए छळ की बात ए लिकड़ी।"

यशायाह 53:9

23जिब उसकी बेजती करी गयी फेर उसनै किसे की बेजती कोनी करी, जिब उसनै दु:ख झेल्ले, उसनै किसे ताहीं धमकी कोनी दी, बल्के उस साच्चे न्याय करण आळे पणमेसर कै आग्गै अपणे आप ताहीं सौंप दिया। 24उसनै क्रूस पै आपणी देही म्ह म्हारे पापां ताहीं ओढ़ लिया। ताके अपणे पापां कै बाबत म्हारी मौत हो जावै अर जो कीमे नेक सै उसकै खात्तर हम जीवां। यो उसकै उन घावां कै कारण ए होया जिनतै थम चंगे करे गये सो। 25क्यूँके थम भेड्डां की तरियां भटकण लागरे थे किन्तु इब थम अपणे पाळीयां अर थारी आत्मायां के रुखाळे कै लवै बोहड़ आये सो।

धणी अर बीरबान्नी

3 1इस्से ढाल हे बीरबान्नीयों, अपणे-अपणे धणीयां कै अधीन रहो। ताके जै उनम्ह तै कोए पणमेसर के बचन का पालन ना करदे हों तो थारे पवित्र अर आद्दर तै भरे चाल-चलन नै देख कै बिना किसे बातचीत कै ए आपणी-आपणी बीरबान्नीयां के बिवार तै जीत लिये जावैं। 2थारा साज-सिंगार दिखावटी नीं होणा चहिये। 3यानी के बाळां की वेणियाँ सजाण तै, सोन्ने की टुम पहरण तै अर आच्छे-आच्छे लत्त्यां तै करया जावै 4बल्के थारा सिंगार तो थारे मन के भीत्तरले माणसपण तै होणा चहिये, जो कोमल अर शान्त आत्मा के अमर सौन्दर्य तै भरपूर हो। पणमेसर की निंगाह म्ह जो कीमती हो।

5क्यूँके बीत्ते होड़ युग की उन पवित्र लुगाईयां का, अपणे आप ताहीं सजाण- सँवारण का योए ढंग था, जिनकी आस पणमेसर पै टिकरी सैं। वे अपणे-अपणे धणी कै अधीन उस्से तरियां ए रह्या करै थीं। 6जिस तरियां तै अब्राहम कै अधीन रहण आळी सारा जो उस ताहीं आपणा स्वामी मान्नै थी। थम भी बिना कोए भय मान्ने जै नेक काम करो सो तो उस्से की बेट्टी सो।

7इस्से तरियां ए हे धणीयो, थम आपणी बीरबान्नीयां कै गेल्या समझदारी गेल रहो। उन ताहीं कमजोर जाण कै, उनका आद्दर करो। जीवन के बरदान म्ह उन ताहीं आपणा गेल-उत्तराधिकारी भी मान्नो ताके थारी प्रार्थनाए म्ह आंट ना पड़ै।

सत्कर्मां कै खात्तर दु:ख झेलणा

8अंत म्ह थम सारया ताहीं समान बिचार, सहानुभूतिशील,

अपणे बन्धुआं तै प्रेम करण आळा, दयालु अर नम्र बनणा चहिए। 9एक बुराई का बदला दूसरी बुराई तै मतना द्यो। अथवा बेजती कै बदलै बेजती मतना करो बल्के बदले म्ह आशीर्वाद द्यो क्यूँके पणमेसर नै थारै ताहीं इसा ए करण नै बुलाया सै। इस्से तै थारै ताहीं पणमेसर के आशीर्वाद का उत्तराधिकार मिलैगा। 10शास्त्र कहवै सै:

"जो जीवन का आनन्द उठाणा चाहवै जो आच्छे
बख्त ताहीं देखणा चाहवै उस ताहीं चहिये ओ कद्दे
भी किते भुन्डे बोल ना बोल्लै। ओ अपणे होठां नै
छळ की बाणी तै रोक्कै।
11 उसनै चहिये ओ मुँह फेरै उस तै जो नेक नीं होंदा ओ
उन काम्मां नै सदा करै जो उत्तम सैं, उसनै चहिये ओ
कोसिस म्ह लाग्या रहवै शान्ति पाण नै, उसनै चहिये
ओ शान्ति का अनुसरण करै।
12 प्रभु की आँख टिकरी सैं, उन्ने पै जो उत्तम सैं प्रभु के
कान लागरे सैं उनकी प्रार्थनायां पै जो भुण्डे कर्म करै
सैं, प्रभु उन तै सदा मुँह फेरै सै।"

भजन संहिता 34:12-16

13जै जो उत्तम सै थम उस ताहीं ए करण नै लालायित रहवै तो भला थारै ताहीं कौण नुक्सान पहोचा सकै सै। 14किन्तु जै थारै ताहीं भले कै खात्तर दुःख उठाणा ए पड़ै तो थम धन्य सो। "इस करकै उनकै किसे भी भय तै ना तो भयभीत हो अर ना ए डगमगाओ।" 15अपणे मन म्ह मसीह ताहीं प्रभु कै रूप म्ह आद्दर द्यो। थम सारे जिस बिश्वास नै राक्खो सो, उसकै बाबत म्ह जै कोए थारै तै बुझै तो उस ताहीं उत्तर देण कै खात्तर सारीहाण त्यार रहो। 16किन्तु नरमाई अर आद्दर कै गेल्या ए इसा करो। आपणा हृदय शुद्ध राक्खो ताके यीशु मसीह म्ह थारे उत्तम आचरण की बुराई करण आळे लोग थारी बेजती करदे होए सरमावैं।

17जै पणमेसर की मर्जी याए सै के थम दुःख उठाओ तो उत्तम काम करदे होए दुःख झेल्लो, ना के भुण्डे काम करदे होए।

18 क्यूँके मसीह नै भी म्हारे पापां कै खात्तर दुःख उठाया।
यानिके ओ जो बेकसूर था, हम पापियाँ कै खात्तर एक
बर मर गया के म्हारै ताहीं पणमेसर कै लवै ले जावै।
देही कै भाव तै तो ओ मारया गया पर आत्मा कै भाव
तै जिन्दा करया गया।

19आत्मा की हालत म्ह ए उसनै जाकै उन सुर्गीय आत्मायाँ ताहीं जो कैदी थीं उन कैदी आत्मायाँ ताहीं संदेस दिया 20जो उस बख्त पणमेसर की आज्ञा कोनी मानण आळी थी जिब नूह की किस्ती बणायी जाण लागरी थी अर पणमेसर धीरज कै गेल्या बाट देखण लागरया था, उस किस्ती म्ह थोड़े से यानि के आठ माणस ए पाणी तै बच पाये थे। 21यो पाणी उस बपतिस्मा कै बरगा सै जिसतै इब थारा उद्धार होवै सै। इसम्ह देही का मैल छुड़ाणा कोनी, बल्के एक शुद्ध अन्तः करण कै खात्तर पणमेसर तै बिनती सै। इब तो बपतिस्मा थारै ताहीं यीशु मसीह के पुनरुत्थान कै जरिये बचावै सै। 22ओ सुर्ग म्ह पणमेसर कै सोळै कान्नी बिराजमान सै, अर इब सुर्दुत, अधीकारीगण अर सारी शक्तियाँ उसकै अधीन कर दी गयी सै।

बदला होया जीवन

4 1जिब मसीह नै देही म्ह होकै दुःख उठाया तो थम भी उस्से सोच नै हथियार कै रूप म्ह धारण करो क्यूँके जो देहीं म्ह होकै दुःख उठावै सै, ओ पापां तै छुटकारा पा लेवै सै। 2इस करकै ओ फेर माणसां आळी इच्छायां का अनुसरण कोनी करै, बल्के पणमेसर की इच्छा कै मुताबिक कर्म करदे होए, अपणे बचे होड़ भौतिक जीवन नै चढ़ा दे। 3क्यूँके थम इब लग अबोध माणसां की तरियां विषय-भोग्गां, वासनायाँ, दारूबाजी, उन्माद तै भरे मौज-मस्ती, दारू पीण आळे त्यौहारां अर नफरत तै भरी मूर्ति-पूजायां म्ह भतेरा टेम बिता चुके सो।

4इब जिब थम इस घृणित रहन-सहन म्ह उनका साथ कोनी देन्दे तो उन ताहीं अचम्भा होवै सै। वे थारी निन्दा करै सैं। 5उन ताहीं जो इब्बे जिन्दे सैं या मर लिये सैं, अपणे बिवार का लेखा-जोक्खा उस मसीह ताहीं देणा होगा जो उनका न्याय करण आळा सै। 6इस करकै उन बिश्वासियाँ ताहीं जो मर लिये सैं, सुसमाचार का उपदेश दिया गया के देही रूप म्ह चाहे उनका न्याय मानवीय स्तर पै हो किन्तु आत्मिक रूप तै वे पणमेसर कै मुताबिक रहवैं।

आच्छे इंतजाम करणीये बणो

7ओ बख्त लवै सै जिब सब क्याहे का अंत हो जावैगा। इस करकै समझदार बणो अर अपणे पै काब्बू राक्खो ताके थारै ताहीं प्रार्थना करण म्ह मदद मिलै। 8अर सारया तै बड्डी बात या सै के एक दुसरे कै बाबत लगातार प्रेम बणाए राक्खो क्यूँके प्रेम तै अणगिणत पापां का निवारण होवै सै। 9बिना कीमे कहे सुणे एक दुसरे का स्वागत सत्कार करो। 10जिस किसे नै पणमेसर कै ओड़ तै जो भी बरदान मिल्या सै, उसनै चहिये के पणमेसर के कई ढाळ के अनुग्रह के उत्तम भण्डारी की तरियां, एक दुसरे की सेवा कै खात्तर उसनै काम म्ह लाए। 11जो कोए उपदेश देवै ओ उस्से तरियां करै, जिस तरियां मान्नो पणमेसर तै मिले बचनां नै ए सुनाण लागरया हो। जो कोए सेवा करै, ओ उस शक्ति कै गेल्या करै, जिस ताहीं पणमेसर देवै सै ताके सारी बात्तां म्ह यीशु मसीह कै जरिये पणमेसर की महिमा हो। अर सामर्थ्य सदा सारिहाण उस्से की सै। आमीन!

मसीही कै रूप म्ह दुःख उठाणा

12हे प्यारे ढब्बीयो, थारै बिच्चाळै इस अग्नि-परीक्षा पै जो थारै ताहीं परखण नै सै, इस ताहीं अचरज मतना करना जिस तरियां थारै धोरै कोए अनहोणी घटण लागरी हो, 13बल्के आनन्द मनाओ के थम मसीह की यातनाओं म्ह हिस्सा बटाण लागरे सो, ताके जिब उसकी महिमा प्रगट होवै जद थम भी आनन्दित अर मग्न हो सको। 14जै मसीह कै नाम पै थारी बेजती होवै तो उस बेजती नै सहन करो क्यूँके थम मसीह के चेल्ले सो, थम धन्य सो क्यूँके पणमेसर की महिमा आळी आत्मा थारै म्ह बसै सै। 15इस करकै थारै म्ह तै कोए भी एक खून्नी, चोर, कुकर्मी या दुसरे के काम्मां म्ह आंट गेरणीया बणकै दुःख ना उठावै। 16किन्तु जै ओ एक मसीही होण कै नाते दुःख उठावै सै तो उसनै शर्मिन्दा कोनी होणा चहिये, बल्के उसनै तो पणमेसर ताहीं महिमा देणी चहिये के ओ इस नाम नै धारण करै सै। 17क्यूँके पणमेसर के अपणे कुणबे तै ए सरू होकै न्याय सरू करण का बख्त आण पहोच्या सै। अर जै यो म्हारै तै ए सरू होवै सै तो जिन्नै पणमेसर के सुसमाचार का पालन कोनी करया सै, उनका नतीज्जा के लिकड़ैगा?

18 "जै एक धार्मिक माणस का ए उद्धार पाणा ओक्खा सै तो बिना पणमेसर के और पापियाँ कै गेल्या के घटैगा।" *नीतिवचन 11:31*

19तो फेर जो पणमेसर की मर्जी कै मुताबिक दुःख उठावै सैं, उन ताहीं उत्तम काम करदे होए, उस बिश्वास तै भरे, सृष्टि के रचण आळे नै आपणी-आपणी आत्मायाँ ताहीं सौंप देणी चहिये।

पणमेसर के माणसां का टोळ

5 1इब मैं थारै बिच्चाळै जो बुजुर्ग सैं, उनतै निवेदन करूँ सूं: मैं, जो खुद एक बुजुर्ग सूं अर मसीह नै जो दुःख झेल्ले सैं, उनका गवाह सूं तथा वा आण आळी महिमा जो प्रगट होण नै सै, उसका हिस्सेदार सूं। 2राह दिखाण आळे पणमेसर के माणसां का टोळ थारी देख-रेख म्ह सै अर निरीक्षक कै रूप म्ह थम उसकी सेवा करो सो; किसे दबाव कै कारण नीं, बल्के पणमेसर की मर्जी कै मुताबिक इसा करण की खुद की मर्जी कै कारण थम आपणा यो काम धन के लालच म्ह नीं बल्के सेवा करण कै बाबत अपणे तगाज्जे कै कारण करो सो। 3देख-रेख कै खात्तर जो थारै ताहीं सौंप्पे गये सैं, थम उनके करड़े दाब आळे शासक मतना बणो। बल्के लोग्गां कै खात्तर एक आदर्श बणो। 4ताके जिब ओ प्रधान रुखाळा प्रगट होवै तो थारै ताहीं जीत का ओ भव्य मुकुट मिलै जिसकी शोभा कद्दे भी घटदी कोनी सै।

5इस्से ढाळ हे गाबरूओं! थम अपणे धर्म बुजुर्गां कै अधीन रहो। थम एक दुसरे कै बाबत नरमाई धारण करो, क्यूँके

"पणमेसर घमण्डीयां का बिरोध करै सै किन्तु दीन माणसां पै सारीहाण अनुग्रह रहवै सै।"

नीतिवचन 3:34

6इस करकै पणमेसर के महिमावान हाथ कै तळै अपणे आप ताहीं नवाओ। ताके ओ सही मौक्का आण पै थारै ताहीं ऊँच्चा उठावै। 7थम आपणी सारी चिंतायां नै उस पै छोड़ द्यो क्यूँके ओ थारै खात्तर चिन्ता म्ह सै।

8अपणे पै काब्बू राक्खो। चौकन्ने रहो। थारा दुश्मन शैतान एक गरजदे सिंह कै तरियां उरान-परान हांडदे होए इस टोह

म्ह रहवै सै के जो मिलै उस ताहीं पाड़ खावै। 9उसका बिरोध करो अर अपणे बिश्वास पै डटे रहो क्यूँके थम तो जाणो ए सो के साब्ते संसार म्ह थारे भाई बहन इसी ए यातनाएँ झेलण लागरे सैं।

10किन्तु सारै अनुग्रह का स्रोत पणमेसर जिसनै थारै ताहीं यीशु मसीह म्ह अनन्त महिमा का गेलहिस्सेदार होण कै खात्तर बुलाया सै, थारे थोड़े बख्त यातनाएँ झेलण कै बाद खुद ए थारै ताहीं दुबारै तै स्थापित करैगा, समर्थ बणावैगा अर स्थिरता करैगा। 11उसकी शक्ति अनन्त अनन्त सै। आमीन।

चिट्ठी की समाप्ति

12मन्नै थारै ताहीं या छोट्टी सी चिट्ठी, सिलवानुस कै सहयोग तै, जिस ताहीं मैं आपणा बिश्वास तै भरया भाई मान्नु सूं, थारै ताहीं हौसला दुवाण कै खात्तर के पणमेसर का साच्चा अनुग्रह योए सै, इस बात की गवाही देण कै खात्तर लिख्या सै, इस्से पै डटे रहो।

13बाबुल की कलीसिया जो थारै ए बरगी पणमेसर कै जरिये छांट्टी होड़ सै, थारै ताहीं नमस्कार कहवै सै। मसीह म्ह मेरै बेट्टे मरकुस का भी थारै ताहीं नमस्कार। 14प्रेम तै भरे चुम्बन तै एक दुसरे का स्वागत सत्कार करो।

थम सारया ताहीं, जो मसीह म्ह सो, शान्ति मिलै।

नोट्स